## न्यूज डायरी

### खाली पांव अबु धाबी की मस्जिद में घूम रही इवांका ट्रंप की तस्वीर वायर

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** दुबई। इवांका ट्रंप शनिवार को अबु धाबी के एक मस्जिद के दौरे पर गईं जहां वह सिर को स्कार्फ से ढंके नजर आईं। इस दौरान उन्होंने नियमों के तहत अपने जूते उतार लिए थे। उनकी यह तस्वीर काफी वायरल हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की बेटी ने दुबई में महिला उद्यमियों और क्षेत्रीय नेताओं के सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होने महिला अधिकारों में महत्वपूर्ण सुधारों को लेकर अमेरिका के सहयोगियों–सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित पश्चिम एशिया के कुछ देशों की रविवार को सराहना की। इवांका ने कहा, हम जानते हैं कि जब महिलाएं सफलता के लिए स्वतंत्र होती हैं, तो परिवार उन्नति करते हैं, समुदाय फलते–फूलते हैं और देश मजबूत बनते हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, आज, अमेरिका में महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में अग्रणी हैं।

### बुर्किना फासो में चर्च के पास हमले में 24 की मौत

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** आउगादोयगु। बुर्किना फासो में रविवार को हमलावरों ने एक पादरी समेत 24 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी और तीन अन्य को अगवा कर लिया। तेजी से अस्थिर होते इस पश्चिम अफ्रीकी देश में एक धार्मिक नेता के खिलाफ यह हमला हुआ है। बाउंदोरे कम्युन के मेयर सिहनरी ओसनगोला ब्रिगाडी ने कहा कि याघा प्रांत के पासनी के कस्बे में यह हमला हुआ। करीब 20 हमलावरों ने प्रोटेस्टैंट चर्च के पास पुरुषों और महिलाओं को अलग किया और हमला कर दिया। इसमें कम से कम 10 अन्य लोग घायल हो गये। उन्होंने बताया कि बंदूकधारी हमलावरों ने दुकानों से तेल और चावल लूट लिये। डोरी में एक सरकारी सुरक्षा अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं होने की शर्त पर कहा कि हमले के बाद गिरजाघर में आग लगा दी गयी। हमले में ईसाई और मुस्लिम दोनों धर्मों के लोग मारे गये हैं।

### कनेक्टिकट के नाइट क्लब में गोलीबारी, एक की मौत और चार घायल

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** हर्टफोर्ड। कनेक्टिकट के एक नाइट क्लब में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी पॉल सिसेरो ने कहा कि हर्टफोर्ड के साउथ एंड में स्थित मैजेस्टिक लाउंज में रविवार तड़के हुई गोलीबारी की घटना में 28 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। गोलीबारी में अन्य दो महिलाएं और दो पुरुष भी घायल हुए। उन्होंने कहा कि घायलों में से दो की रविवार को सर्जरी हुई और अन्य दो की हालत स्थिर है। मृतकों और घायलों में से किसी की पहचान उजागर नहीं की गई है। घटना के संबंध में किसी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जांच की प्रक्रिया अभी चल रही है इसलिए अधिक जानकारी नहीं दी जा सकती। शहर के महापौर ल्यूक ब्रोनिन ने रविवार को कहा कि गोलीबारी में अवैध हथियार का इस्तेमाल किया गया था।

### अफ्रीकी देश कैमरून में जनसंहार में 22 लोगों की मौत,14 बच्चे शामिल

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** लिबरेविले। अफ्रीकी देश कैमरून के एक आंग्लभाषी क्षेत्र में जनसंहार में 22 ग्रामीण मारे गए जिसमें 14 बच्चे भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र ने यह जानकारी दी। विपक्षी पार्टी ने सेना पर हत्या के आरोप लगाए हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था ओसीएचए के स्थानीय अधिकारी जेम्स नुनन ने रविवार को एएफपी से कहा कि उत्तर पश्चिमी क्षेत्र के नटुम्बो गांव में शुक्रवार को हथियारबंद लोगों ने हत्याएं कीं। नुनन ने कहा कि इसमें 22 नागरिक मारे गए जिसमें एक गर्भवती महिला और कई बच्चे शामिल हैं। मृतकों में 14 नाबालिग बच्चे शामिल हैं जिनमें से नौ की उम्र पांच साल से भी कम है। नुनन के अनुसार मारे गए बच्चों में से 11 लड़कियां हैं। कैमरून के उत्तर पश्चिमी और दक्षिण पश्चिमी क्षेत्र में अंग्रेजी भाषी अल्पसंख्यक रहते हैं और इस क्षेत्र में अलगाववादियों और सरकार के बीच तीन साल से संघर्ष की स्थिति बनी हुई है।

# चीन अपने ही नागरिकों पर कस रहा माओ जैसा शिकंजा

## इतना पहरा कि बीमार का अस्पताल पहुंचना भी मुश्किल

**कोरोना**

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

शंघाई। चीन में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 1600 से ज्यादा हो चुकी है। इसके अलावा इस घातक वायरस ने करीब 70 हजार लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है। वायरस के कहर की वजह से चीन की अर्थव्यवस्था भी हांफने लगी है क्योंकि खौफ इतना है कि फैक्ट्रियां, कारोबार और अन्य आर्थिक गतिविधियां एक तरह से ठप पड़ चुकी हैं। वायरस से निपटने के लिए चीन ने लोगों पर अमानवीयता की हद तक सख्त पहरा लगा दिया है जो माओत्से तुंग के जमाने में लोगों पर कसे गए शिकंजे की याद दिलाता है।

**माओ के जमाने जैसा सोशल कंट्रोल** न्यू यॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने गांवों और शहरों में लोगों पर नजर रखने के लिए लाखों वॉलंटियरों और कम्यूनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं की फौज उतार दी है। लोगों को बेहद नजदीकी रिश्तेदारों के अलावा किसी से भी मिलने की इजाजत नहीं है। माओ ने भी 50–60 के दशक

में चीन की अर्थव्यवस्था को उछाल देने के नाम पर श्ग्रेट लीप फॉरवर्डश पॉलिसी को लागू करते वक्त अपने ही लोगों पर अत्याचार किए थे। माओ ने अपनी नीति के तहत लोगों के सामाजिक जीवन के साथ–साथ सूचनाओं पर नियंत्रण कर रखा था।

**वॉलंटियर रख रहे लोगों के हर दिन का रेकॉर्ड:** चीन वैसे भी हाई टेक उपकरणों के जरिए अपने नागरिकों की निगरानी के लिए कुख्यात रहा है। ऐसे वक्त में जब वायरस अपना कहर ढा रहा है, चीन लाखों वॉलंटियरों के जरिए लोगों की निगरानी कर रहा है। वॉलंटियर लोगों के शरीर के तापमान से लेकर उनके आने–जाने का ब्यौरा दर्ज कर रहे हैं। वे आइसोलेशन के लिए बनाई जगहों पर भी सारी व्यवस्था देख रहे हैं। ये वॉलंटियर बाहरी लोगों को भी संबंधित जगहों से दूर रख रहे हैं ताकि वायरस न फैले।

**शहर के बाहर से आ रहे शख्स को अपने ही अपार्टमेंट में नो एंट्री**

कुछ शहरों के हाउजिंग कॉम्पलेक्सों ने अपने यहां रह रहे लोगों को एक तरह का पास जारी किया है, जिससे उनके घर आने या घर से जाने को नियंत्रित किया जा सके। अगर कोई शख्स शहर से बाहर से आ रहा है तो उसे उसके ही अपार्टमेंट बिल्डिंग में नहीं घुसने दिया जा रहा। ट्रेनों में भी लोगों को तभी सवार होने दिया जा रहा है जब वे साबित कर रहे हैं कि वे संबंधित शहर में रहते या काम करते हैं। ग्रामीण इलाकों में गांवों को गाड़ियों, टेंट या दूसरी चीजों से बने बैरियर से इस तरह घेरा गया है कि वॉलंटियरों की इजाजत के बिना न कोई वहां जा पाए और न वहां से बाहर निकल पाए।

रिपोर्ट के मुताबिक चीन में कम से कम 76 करोड़ लोगों पर सरकार ने सख्त पहरा लगा रखा है। यह संख्या चीन की आधी आबादी से भी ज्यादा है।

## पाक अब आतंकवादी संगठनों के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं रहा

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार को कहा कि उनका देश पाकिस्तान 'अब' आतंकवादी संगठनों के लिए कोई 'सुरक्षित पनाहगाह' नहीं है। हालांकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से माना कि शायद पहले ऐसा नहीं था।

देश में अफगान शरणार्थियों की मेजबानी के 40 साल पूरे होने पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अफगानिस्तान में शांति चाहता है और युद्ध प्रभावित इस देश में स्थायित्व उसके हित में है। आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह पर खान का बयान ऐसे समय में आया है जब दुनियाभर में धनशोधन के विरूद्ध कार्रवाई पर नजर रखने वाले वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की पेरिस में एक अहम बैठक शुरू हुयी है जहां पाकिस्तान आतंक के वित्तपोषण के विरूद्ध पर्याप्त कदम नहीं उठाने को लेकर कालीसूची में डाले जाने से बचने की कोशिश में जुटा है।

अमेरिका, भारत और अफगानिस्तान लंबे से पाकिस्तान पर तालिबान, हक्कानी नेटवर्क, लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों को सुरक्षित पनाहगाह प्रदान करने का आरोप लगाते रहे हैं।

### चिनफिंग को हफ्तों पता थी वायरस की गंभीरता, आलोचना शुरू

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** पेइचिंग। चीन की सरकारी मीडिया ने हाल में राष्ट्रपति शी चिनिफिंग का भाषण प्रकाशित किया है जिससे पहली बार संकेत मिला है कि नए कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के शुरुआती अभियान का नेतृत्व वह स्वयं कर रहे थे। 3 फरवरी को दिए गए भाषण को प्रकाशित कर यह दिखाने की कोशिश की गई कि कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व ने शुरुआत में ही निर्णायक कार्रवाई की, लेकिन इससे चिनफिंग की आलोचना भी शुरू हो गई कि आखिर लोगों को शुरू में ही क्यों आगाह नहीं किया गया।

## हुवावे से संबंध रखने वाले देशों के साथ खुफिया जानकारी साझा नहीं करेगा अमेरिका

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

वॉशिंगटन। जर्मनी में अमेरिकी राजदूत ने रविवार को कहा कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि चीन की प्रौद्योगिकी कंपनी हुवावे के साथ संबंध रखने वाले देशों के साथ अमेरिका गोपनीय जानकारियां साझा करना बंद कर देगा। वॉशिंगटन दुनिया की सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों में से एक हुवावे द्वारा लाए जाने वाले अगली पीढ़ी के 5जी मोबाइल डेटा नेटवर्क पर प्रतिबंध लगाने के लिए सहयोगियों पर दबाव बना रहा है।

अमेरिका का कहना है कि यह सुरक्षा के लिए खतरा है। राजदूत रिचर्ड ग्रेनेल ने कहा कि

ट्रंप ने उन्हें निर्देश दिया है कि 'मैं यह स्पष्ट कर दूं कि यदि कोई देश बेईमान 5जी विक्रेता को चुनेगा तो उससे उच्चतम स्तर पर हमारी खुफिया सूचनाएं एवं जानकारियां साझा करने की क्षमता खतरे में पड़ जाएगी।' ग्रेनेल ने ट्विटर पर कहा कि राष्ट्रपति ने अपने विशेष विमान एयरफोर्स वन से रविवार को उन्हें यह संदेश भेजा।

यूरोप में अमेरिका के प्रमुख सहयोगी खासकर ब्रिटेन और फ्रांस ने कहा है कि वे हुवावे के 5जी नेटवर्क बनाने पर प्रतिबंध नहीं लगाएंगे लेकिन उस पर कुछ पाबंदियां जरूर लगाएंगे। सार्वजनिक रूप से तो अमेरिका ने इस बारे में संयमित प्रतिक्रिया दी है लेकिन ट्रंप कथित तौर पर ब्रिटेन से बेहद नाराज हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने शनिवार को म्यूनिख में सुरक्षा सम्मेलन में कहा था कि हुवावे चीन की खुफिया एजेंसियों के लिए ट्रोजन हॉर्स है। हालांकि हुवावे ने इन आरोपों से स्पष्ट रूप से इनकार किया है।

## चीन ने लैब में गलती से पैदा कर दिया कोरोना वायरस?

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** पेइचिंग। चीन में फैले कोरोना के खौफ ने दुनियाभर में लोगों को हिला दिया है। हर दिन नॉवल कोरोना वायरस (कोविड–19) से संक्रमित लोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है। लेकिन अभी भी बड़ा सवाल है कि आखिर इस खतरनाक वायरस की शुरुआत कहां से हुई। चीन के हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान को इस बीमारी का केंद्र माना गया है। लेकिन अब चीनी वैज्ञानिकों का मानना है कि हो सकता है कोरोना वायरस की शुरुआत वुहान के फिश मार्केट से कुछ दूर स्थित एक सरकारी रिसर्च लैब से हुई हो। चीन की सरकारी साउथ चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलजी के मुताबिक, हुबेई प्रांत में वुहान सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल ने रोग फैलाने वाली इस बीमारी के वायरस को जन्म दिया हो। रिपोर्ट के मुताबिक, श्इस लैब ने ही यह बताया था कि चीनी हॉर्सशू चमगादड़ ही 2002–2003 में फैले सीवियर अक्यूट रेस्पायरेटरी सिंड्रोम कोरोनावायरस के लिए जिम्मेदार थे। इस रिपोर्ट के आखिर में कहा गया है कि हो सकता है जानलेवा कोरोना वायरस की शुरुआत वुहान की एक लैब से हुई हो।